



देश बचओ, देश बचाओ

अभिजित कुमार शर्मा

एक बार आये
नेताजी गाँव
नंगे पाव
कहे सब चलो
राजधानी दिल्ली
करेंगे रैली
देश बचओ, देश बचाओ
भ्रष्टाचार मिटाओ
उन्नति लाओ
पर
कुछ लोग बोले
जायेंगे कैसे
पास नहीं पैसे
बोले नेताजी
काम हैं इजी
सबको देंगे
मुफ्त का टिकट
नहीं कोई समस्या विकट
और लौटे समय
सौ के नोट



सब होकर तैयार
चल दिए दिल्ली
करना था रैली
पर हो गया रस्ते में
ट्रेन में डकैती
सबका गया सामान लुट
किस्मत गई फुट
हो गए सबके खली पाकेट
पर सब पहुँच गए
राजधानी दिल्ली
हुआ जमकर रैली
जुलूस निकला
लगे खूब नारे
लोग थे ढेर सारे
आसान लगे
भाषण हुआ
अब सब लौटने वाले थे
पैसे मिलने वाले थे
लोग थे बीजी
आये नेताजी
लेकर अटैची
दिखाया खोलकर
नोटों का बंडल
नए पुराने
सभी तरह के



साहित्य संहिता

Available at <http://sahityasamhita.org/>

ISSN: 2454-2695

Volume 01 Issue 06
July 2015

थे उसमे नोट
नेताजी अपने हाथ से
दिए ये पवन भेंट
दिए सबको सौ सौ के नोट
मुझे भी एक मिला
मेरा आँख फटा
देखकर वो नोट
वही पुराना कनकटा
नोट हमारा
जिसे छीन लिए थे
ट्रेन में डकौत